साप्ताहिक
www.noidaviews.com
RNI: UPHIN/2016/70868
नोएडा
28 नवंबर 2022 से
04 दिसंबर 2022
वर्ष: 07, अंक: 04
पेज: 08, मूल्य: 3 रूपया

नोएडा व्यूज

● नोएडा ● ग्रेटर नोएडा ● दादरी ● जेवर

इन चीजों का इस्तेमाल अपनी डाइट से, आज ही करें बाहर
▶ 7

UPSIDA के औद्योगिक सेक्टरों के प्लॉटों पर किसके संरक्षण में चल रही हैं दुकानें?

▶औद्योगिक प्लॉटों को कमर्शियल काम के लिए किराए पर देकर वसूला जा रहा है लाखों रुपए महीना किराया।

▶सरकार द्वारा जो प्लॉट सस्ती दरों पर अलॉट किए गए थे आज बेचे जा रहे हैं एक लाख रुपए मीटर से ज्यादा रेट पर।

ग्रेटर नोएडा। कपिल कुमार

उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPSIDA) का गठन प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए क्या गया था UPSIDA के जन्म का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ औद्योगिक विकास करना ही है।

प्राधिकरण द्वारा औद्योगिक प्लॉट उद्यमियों को सस्ती दर पर अलॉट किए जाते हैं जिससे कि वह आसानी से अपना उद्योग चला सके और उनको उद्योग के लिए सारी शुभम व्यवस्था करना उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी का काम है जिसके लिए उद्योगों से मेंटेनेंस शुल्क भी वसूला जाता है। प्राधिकरण के अनुसार औद्योगिक प्लॉट पर सिर्फ औद्योगिक काम ही किया जा सकता है कोई दूसरा काम नहीं।

प्राधिकरण द्वारा अलॉट औद्योगिक प्लॉटों पर खुल रही है दुकाने

उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPSIDA) द्वारा ग्रेटर नोएडा के साइट 5, साइट 4, और site-c में जो प्लॉट उद्योग लगाने के लिए अलॉट किए गए थे उन पर कमर्शियल गतिविधियां की जा रही है। जैसे बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, शोरूम, सर्विस सेंटर, फर्नीचर शोरूम आदि, जबकि प्राधिकरण के नियम अनुसार औद्योगिक प्लॉट पर कमर्शियल गतिविधि करना अवैध है।

किसके संरक्षण में हो रही है कमर्शियल गतिविधियां?

ग्रेटर नोएडा में तैनात UPSIDA के अधिकारियों को पूरी जानकारी है इस अवैध कार्य की, उन्हें हर प्लॉट की जानकारी है किस पर क्या कार्य हो रहा है उसके बावजूद भी यह अधिकारी इस अवैध कार्य पर कोई कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है क्यों? क्या अधिकारियों को इनसे कोई लालच है, कहीं ऐसा तो नहीं कि इन्हीं के संरक्षण में यह सब कमर्शियल गतिविधियां हो रही है।

सरकार द्वारा उद्योग लगाने के लिए किए गए थे सस्ती दरों पर प्लॉट

ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक सेक्टर साइट- 5, साइट- 4 और साइट- C में औद्योगिक प्लॉट बहुत सस्ती दरों पर उद्यमियों को अलॉट किए गए थे जिनमें उद्योग लगाने थे और ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार देना था इससे सरकार को भी आमदनी होती और क्षेत्र का भी होता, जिन औद्योगिक प्लॉटों के सरकारी 10 से 12 हजार रुपए मीटर रेट पर दिया था। वह आज 1 लाख रुपए मीटर से ज्यादा रेट पर बेचे जा रहे हैं ऐसा क्यों? उनके रेट का बढ़ने का साफ कारण है कि वहां पर कमर्शियल गतिविधियां की जा रही है किराए पर देकर के लाखों रुपए महीना आमदनी हो रही है। प्राधिकरण अपने उद्देश्य से भटक रहा है अधिकारी अपने निजी फायदे के लिए प्राधिकरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं प्राधिकरण के नियमों का पालन नहीं करा रहे हैं UPSIDA के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को इसका संज्ञान लेते हुए अधिकारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए जिससे कि अवैध कार्य ना हो सके।

ग्रेनो प्राधिकरण के अधिकारियों के कार्यालय के शीशे पारदर्शी क्यों नहीं हैं?

हम भी तो देखें अंदर हो क्या रहा है, मीटिंग या काम!

ग्रेटर नोएडा (कपिल कुमार)

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बहुत भव्य कार्यालय बना हुआ है जिसका निर्माण ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने अपनी सहूलियत के हिसाब से कराया था। बिल्डिंग में अधिकारियों के भव्य और शानदार ऑफिस बने हुए हैं और यह जरूरी भी है कि कार्यालय अच्छे होने चाहिए। लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में एक चीज ऐसी है जो वहां अपने काम से अधिकारियों से मिलने के लिए आने वाले लोगों को खटकती है वह है कार्यालयों के शीशों पर चढ़ी फिल्म जिससे यह पता नहीं लगता कि अधिकारी अंदर है या नहीं अगर है तो क्या सच में मीटिंग चल रही है, या अर्दली मिलने नहीं दे रहे हैं?

कार्यालयों के शीशे होने चाहिए पारदर्शी (ट्रांसपेरेंट)

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अंदर जितने भी कार्यालय बने हुए हैं सभी के शीशों पर फिल्म चढ़ी हुई है। जिससे आर पार का कुछ भी दिखाई नहीं देता है जब अधिकारी अंदर काम करने के लिए बैठे हैं और लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए बैठे हैं तो फिर पर्दा किस बात का, प्राधिकरण में आने वाले लोगों को भी दिखना चाहिए कि अधिकारी काम कर रहे हैं या अंदर मीटिंग चल रही है अधिकारियों को काम करता देख आने वाले लोगों को संतुष्टि होगी, जो पैसा टैक्स के रूप में इनकी सैलरी के लिए जा रहा है उसका सही उपयोग हो रहा है इसलिए कार्यालयों के शीशे पारदर्शी होने जरूरी है।

किसान और आम लोगों में जो गलत धारणा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ बन चुकी है वह दूर हो सकती है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ किसान, आवंटी और आम आदमी की यह धारणा बन चुकी है कि प्राधिकरण के अधिकारी काम नहीं करते हैं सिर्फ दलालों के साथ मीटिंग होती रहती है तो उनकी यह धारणा दूर हो सकती है अगर शीशे पारदर्शी

होंगे, वह अपने अधिकारी को काम करते हुए देख सकते हैं और अपनी बारी का शांति से इंतजार करेंगे।

जिस कार्यालय में किसान और आम आदमी का रोजाना का काम होता हो, उस कार्यालय के अधिकारी के कमरे में गेट भी नहीं होना चाहिए। जिससे की आम आदमी की एंट्री सीधी हो, वह अपनी बात सीधे अधिकारी के सामने रख सके। जिसे नीचे वाले अधिकारी में भी यह डर होगा कि अगर मैंने इस व्यक्ति का काम नहीं किया तो, सीधा बड़े अधिकारी से मिल सकता है जाकर के और हमारी शिकायत कर सकता है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी नई सोच के साथ प्राधिकरण में काम कर रहे हैं उनके पूर्व में लिए गए फैसले से प्राधिकरण में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं उम्मीद करते हैं कि शीशे पारदर्शी करने की तरफ भी कदम उठेंगी, कार्य में पारदर्शिता का एक उदाहरण पेश करेंगे।

संपादकीय

संविधान की शक्ति

कपिल कुमार
संपादक, नोएडा व्यूज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत का प्रभावशाली सांस्कृतिक संगठन है। उसके विचार एवं गतिविधियों से समाज का मानस बनता और बदलता है। इसलिए अकसर विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा चलती है कि उन विषयों पर संघ का विचार क्या है? कई बार ऐसा भी होता है कि भारतीयता विरोधी और विदेशी विचार से अनुप्राणित समूह भी राष्ट्रीय प्रतीक और संघ के संदर्भ में मिथ्याप्रचार कर देते हैं। दोनों ही कारणों से बौद्धिक जगत से लेकर आम समाज में भी संघ के दृष्टिकोण को जानने की उत्सुकता रहती है। भारतीय संविधान भी ऐसा ही विषय है, जिस पर संघ के विचार सब जानना चाहते हैं। दरअसल, भारत विरोधी ताकतों ने अपने समय में यह मिथ्या प्रचार जमकर किया है कि आरएसएस संविधान विरोधी है? वह वर्तमान संविधान को खत्म करके नया संविधान लागू करना चाहता है। मजेदार बात यह है कि गोएबल्स की अवधारणा में विश्वास रखने वाले गिरोहों ने इस तरह के झूठ की बाकायदा एक पुस्तिका भी तैयार करा ली, जिस पर वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का चित्र एवं नाम प्रकाशित किया गया और लिखा गया था- नया भारतीय संविधान। संघ की ओर से इस दुष्प्रचार के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी गई, उसके बाद से यह मिथ्या प्रचार काफी हद तक रुक गया और भी अनेक प्रकार के भ्रम खड़े करने के प्रयास संघ विरोधी एवं भारत विरोधी ताकतों की ओर से किए गए हैं लेकिन बिना पैर के झूठ संघ की प्रामाणिक एवं देशभक्त छवि के कारण समाज में टिकते ही नहीं हैं।

वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने तो 19 जनवरी, 2020 को बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय में 'भविष्य का भारतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दृष्टिकोण' विषय पर अपने व्याख्यान में स्पष्ट कहा है– "संघ का कोई एजेंडा नहीं है, वह भारत के संविधान को मानता है। हम शक्ति का कोई दूसरा केंद्र नहीं चाहते। संविधान के अलावा कोई शक्ति केंद्र होगा, तो हम उसका विरोध करेंगे"। यानी संघ न केवल संविधान में पूर्ण विश्वास करता है अपितु उसके मुकाबले अन्य किसी व्यवस्था के खड़ा होने का विरोधी है। इससे अधिक स्पष्ट और मत क्या हो सकता है?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अब तक की यात्रा देखकर यह कहने में कोई संकोच नहीं कि यह संगठन राष्ट्रभक्ति का पर्याय है। अपने राष्ट्र और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति संघ की पूर्ण निष्ठा एवं सम्मान है। संविधान के संदर्भ में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष पदाधिकारी अनेक बार सद्भावना प्रकट कर चुके हैं। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने तो 19 जनवरी, 2020 को बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय में 'भविष्य का भारतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दृष्टिकोण' विषय पर अपने व्याख्यान में स्पष्ट कहा है- "संघ का कोई एजेंडा नहीं है, वह भारत के संविधान को मानता है। हम शक्ति का कोई दूसरा केंद्र नहीं चाहते। संविधान के अलावा कोई शक्ति केंद्र होगा, तो हम उसका विरोध करेंगे"। यानी संघ न केवल संविधान में पूर्ण विश्वास करता है अपितु उसके मुकाबले अन्य किसी व्यवस्था के खड़ा होने का विरोधी है। इससे अधिक स्पष्ट और मत क्या हो सकता है? इसी तरह वर्ष 2018 में 17 से 19 सितंबर तक इसी शीर्षक से आयोजित व्याख्यानमाला में उन्होंने कहा कि "हमारे प्रजातांत्रिक देश में, हमने एक संविधान को स्वीकार किया है। वह संविधान हमारे लोगों ने तैयार किया है। हमारा संविधान, हमारे देश की चेतना है। इसलिए उस संविधान के अनुशासन का पालन करना, यह सबका कर्तव्य है।

मोबाइल, इंटरनेट अति उपयोगी पर व्याधि के सबसे कारण भी

संजीव ठाकुर

मोबाइल इंटरनेट वर्तमान युग में अत्यंत उपयोगी है इसके बिना शिक्षा स्वास्थ्य तकनीकी में कार्य नहीं किया जा सकता है पर दूसरी तरफ मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव भी मोबाइल इंटरनेट और कंप्यूटर से पड़ने लगा है। टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के साथ साथ संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान-प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में 'अपारनेट' की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना,संगीत सुनना, चित्र बनाना, फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90% लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय परिपेक्ष में 135 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40% लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं धोनी माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है।

हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है। भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा,जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता 10 से लेकर 100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था, अब इंटरनेट की कंपनियां 200 से लेकर 1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है।

हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है। अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है।

लघुकथा

श्री कृष्ण और सुखिया मालिन की कहानी

ब्रजधाम में एक सुखिया नाम की मालिन आती थी। वह फल, फूल और सब्जी बेचकर अपना गुजारा किया करती थी। ब्रज में सुखिया जब गोपियों से मिलती, तो वो उसे नन्दलाला के बारे में बताती थीं।

बाल कृष्ण की लीला सुनने में सुखिया को बहुत आनंद आता था। उसका मन भी बाल कृष्ण के दर्शन को तरसता था। सुखिया श्री कृष्ण को देखने के लिए घंटों तक नन्द बाबा के महल के सामने खड़ी रहती थी, लेकिन उसे श्री कृष्ण के कभी दर्शन नहीं होते। भगवान कृष्ण तो अंतर्यामी हैं, उन्हें तो सब पता चल जाता है। जब उन्हें पता चला कि सुखिया उनकी परम भक्त है, तो उन्होंने सुखिया को दर्शन देने का निर्णय लिया। अगले दिन सुखिया ने नन्द महल के सामने आवाज दी, "फल ले लो फल"।

सुखिया की आवाज सुनकर श्री कृष्ण दौड़े चले आए। नन्दलाल को अपने सामने देखकर सुखिया की खुशी का ठिकाना न रहा। सुखिया ने नन्हे कृष्ण को बहुत से फल दे दिए। फल की कीमत चुकाने के लिए श्री कृष्ण बार-बार महल के अंदर जाते और मुट्ठी में अनाज लाने की कोशिश करते, लेकिन सारा अनाज रास्ते में ही बिखर जाता था।

सुखिया को भगवान कृष्ण दो चार दाने ही दे पाए। सुखिया के मन में इस बात का कोई मलाल न था। वह तो बहुत खुश थी कि आज उसने अपने हाथों से भगवान को फल दिए और उन्होंने वो फल खाए।

सुखिया को भगवान कृष्ण दो चार दाने ही दे पाए। सुखिया के मन में इस बात का कोई मलाल न था। वह तो बहुत खुश थी कि आज उसने अपने हाथों से भगवान को फल दिए और उन्होंने वो फल खाए। सुखिया मुस्कुराती हुई अपने घर पहुंची। उसकी फल की टोकरी खाली थी, क्योंकि वो सारे फल श्री कृष्ण को दे आई थी। घर जाकर उसने टोकरी अपने सिर से उतारी तो पाया कि उसकी टोकरी हीरे जवाहरात से भरी हुई है। सुखिया समझ गई कि यह भगवान की लीला है। उसने मन ही मन बाल गोपाल को धन्यवाद दिया। इस तरह श्री कृष्ण ने अपनी परम भक्त सुखिया का उद्धार किया।

हैवानियत की सारी हदें पार करता 'इंसान'

निर्मल रानी

क्रूरता की जब कभी बात होती है तो लोग 'जानवरों' जैसे व्यवहार की मिसाल देते हैं। परन्तु इंसान जैसे 'बुद्धिमान' समझे जाने वाली 'प्राणी' के हवाले से कुछ ऐसी घटनायें सामने आने लगी हैं गोया अब इंसानों की क्रूरतम 'कारगुज़ारी' के लिये 'पशुओं जैसी क्रूरता' या 'हैवानियत' की बात करने जैसी उपमायें भी छोटी मालूम होने लगी हैं। क्योंकि किसी पशु या उसके द्वारा की जा रही हैवानियत की मिसाल देना इसलिये भी बेमानी है क्योंकि किसी पशु द्वारा अपने स्वभावानुसार पशुता दिखाना या किसी जानवर द्वारा अपना पाशविक स्वभाव या पशुवृत्ति दर्शाना उसकी मनोवृति में शामिल है। वे किसी नियम क़ानून के अधीन नहीं आते बल्कि उनका सम्पूर्ण आचरण वैसा ही होता है जैसा प्रकृति ने उन्हें बख़्शा है।

इंसान को तो प्रकृति का 'सर्वश्रेष्ठ प्राणी' माना जाता है। अपनी बुद्धि के सदुपयोग से यही 'अशरफ़-उल-मख़लूक़ात' आज चाँद और मंगल के रास्ते नाप रहा है। इस संसार में समाज के ग़रीब व पिछड़े लोगों की सहायता के लिये अनेक बड़े से बड़े संगठन बनाकर मानव ने अपने कोमल ह्रदयी होने का सुबूत दिया है। पूरा विश्व समाज किसी न किसी रूप में एक दूसरे पर निर्भर है। गोया इसी मानवीय सदबुद्धि, विश्वास और सहयोग की बदौलत ही दुनिया आगे बढ़ रही है। समाज में ऐसी क्रूरतम प्रवृति के लोग भी पाये जाने लगे हैं जिनके आगे पशुओं की पशुता और राक्षसों का राक्षसीपन भी फीका पड़ जाये। मनुष्य द्वारा मनुष्य की ही हत्या किये जाने की घटनायें तो प्राचीन काल से होती आ रही हैं। सत्य-असत्य की लड़ाई के नाम पर,युद्ध और धर्म युद्ध के नाम पर,आन-बान-शान के लिये,ज़र-जोरू और ज़मीन की ख़ातिर,ऊंच-नीच,धर्म-जाति आदि को लेकर मानव समाज एक दूसरे के ख़ून का हमेशा से ही प्यासा रहा है परन्तु आज के दौर में जबकि तथाकथित धर्म का बोलबाला है, प्रवचन कर्ताओं की पूरी फ़ौज दिन रात समाज को ज्ञान और नैतिकता का पाठ पढ़ाती रहती है। धार्मिक समागमों में भीड़ पहले से कई गुना बढ़ती जा रही है। देश में एक से बढ़कर एक लोकप्रिय प्रेरक, लोगों को जीने की कला और सफल जीवन जीने के गुण सिखाते रहते हैं। इंसान है कि अपने आचरण, कृत्यों व सोच विचारों के लिहाज़ से बद से भी बदतर होता जा रहा है। बलात्कार, मासूम बच्चियों से बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, और इन सब के साथ ऐसी वहशियाना हरकतें करना कि पीड़ता तड़प तड़प कर जान दे दे? इंसानों को जिंदा जिला देना, किसी व्यक्ति को वाहन में बाँध कर उसे सड़कों पर घसीट कर मार डालना इतनी बेरहमी कोई इंसान कैसे कर सकता है? राजधानी दिल्ली में एक व्यक्ति ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही अपनी एक महिला मित्र की न केवल हत्या कर दी बल्कि उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काट कर उन अंगों को 18 दिनों तक हत्यारा दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में नालों व तालाबों में फेंकता रहा। दिल्ली का ही तंदूर काण्ड तो देश कभी भूल ही नहीं सकता जबकि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को मार कर उसकी लाश के टुकड़े कर उन्हें तंदूर में जला दिया था। कोई बाप ने अपनी ही जवान बेटी की गोली मार कर हत्या कर उसकी लाश बड़ी बेरहमी से एक सूटकेस में ठूंस कर यमुना एक्सप्रेस वे पर सड़क किनारे लाश से भरा सूटकेस फेंक गया। बंगाल में एक नेवी अधिकारी को उसकी पत्नी और बेटे ने मिलकर पहले तो जान से मारा फिर उसके शरीर के छः टुकड़े किये और उन्हें इलाक़े के विभिन्न हिस्सों में फेंक दिया। ऐसी क्यों होती जा रही है ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कपिल कुमार ने समग टू इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-157, सेक्टर-80, फेस-2, नोएडा से छपवा कर, ग्राम व पोस्ट- खेड़ी गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। संपादकः कपिल कुमार, मो. 9810402764,ई-मेलः noidaviews2014@gmail.com ● नोटः सभी विवादों का निस्तारण गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा।

हाइड पार्क सोसाइटी में मारपीट और हंगामा, देर रात तक चलता रहा समझौते का प्रयास

हाइड पार्क सोसाइटी में एओए चुनाव को लेकर दो पक्षों के बीच में पहले से विवाद चला आ रहा है और पहले भी कई बार दोनों पक्षों के बीच मारपीट की घटनाएं हुई हैं।

नोएडा। सेक्टर-78 स्थित हाइड पार्क सोसाइटी में बृहस्पतिवार देर रात दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। आरोप है कि एओए विवाद के बाद एक पक्ष के लोगों ने पहले मारपीट कर दी। जिसके बाद वहां हंगामा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने देर रात तक दोनों पक्ष को समझाने का प्रयास करती रही।

कोतवाली सेक्टर-113 थानाध्यक्ष शरद कांत ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात को हाइड पार्क सोसाइटी में हंगामे की सूचना मिली। शराब के नशे में धुत होकर सोसाइटी के अंदर कुछ लोगों से मारपीट कर दी थी।

आरोप है कि महिलाओं से अभद्रता करते हुए घरों के बाहर लगे गमलों को तोड़ दिया। इसके बाद सोसाइटी के अंदर लोग जमा हो गए और देर रात तक हंगामा चलता रहा।

अहम है कि हाइड पार्क सोसाइटी में एओए चुनाव को लेकर दो पक्षों के बीच में पहले से विवाद चला आ रहा है और पहले भी कई बार दोनों पक्षों के बीच मारपीट की घटनाएं हुई हैं।

घर लौट रहे छात्र पर दो कुत्तों ने किया हमला

लोगों ने किसी तरह दोनों भाइयों को आवारा कुत्तों के चंगुल से बचाया और स्वजन को सूचना दी।

नोएडा, संवाददाता। आवारा कुत्तों के हिंसक होने से शहरवासी हैं। शनिवार को भी साइकिल पर सवार होकर स्कूल से घर लौट एक दो भाइयों को आवारा कुत्तों ने दौड़ा लिया। कुत्तों ने साइकिल चला रहे छोटे भाई को काटकर जांघ का मांस निकाल कर घायल कर दिया। स्वजन घायल छात्र को सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद छात्र को एंटी रैबीज सीरम (एआरएस) नहीं होने का हवाला देकर दिल्ली रेफर कर दिया।

स्कूल बंद होने के कारण घर लौट रहे थे दोनों भाई

पेशे से माली नदीम सेक्टर-19 स्थित सी-ब्लाक में परिवार के साथ रहते हैं। पुत्र साद और छोटा बेटा समद (10) सेक्टर-12 स्थित स्कूल में पढ़ाई करते हैं। शनिवार सुबह दोनों भाई सवार पर सवार होकर स्कूल गए थे। स्कूल पहुंचने के बाद पता चला है कि समद की कक्षा शिक्षिका के नहीं आने से बंद है। इस कारण बड़ा भाई अपने छोटे भाई समद को लेकर वापस अपने दोस्त के घर जाने लगा। साइकिल समद चला रहा था, जबकि साद पीछे बैठा था।

आवारा कुत्तों ने किया हमला

सुबह करीब नौ बजे सेक्टर-10 स्थित लालबत्ती के पास पहुंचने पर तीन आवारा कुत्तों ने दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। दो कुत्तों ने समद के दाएं पैर में काटकर जांघ का मांस निकाल लिया। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों भाइयों को आवारा कुत्तों के चंगुल से बचाया और स्वजन को सूचना दी।

दवा को लेकर यह है जिले का हाल

मौके पर पहुंचे स्वजन छात्र को जिला अस्पताल ले जाकर टिटनेस और एंटी रैबीज वैक्सीन (एआरवी) का इंजेक्शन लगवाया। लेकिन अस्पताल में एआरवी नहीं होने परेशानी हुई। पिता किसी तरह बच्चों को दिल्ली पहुंचे लेकिन अस्पताल का पता नहीं मिलने के कारण वापस आ गए। जिला अस्पताल में प्रतिदिन 120 लोग वैक्सीन के लिए पहुंचते हैं। प्रतिदिन 30 एआरवी वायल कुत्ता काटने के शिकार को लगाई जाती है। लेकिन एआरएस नहीं होने से परेशानी होती है।

बेटा पैदा न होने पर ससुरालिए खफा

मदरसे ने 20 दिन के अंदर पति से तीन तलाक का नोटिस भेजा

पीड़िता का आरोप है कि बिजली और पानी का बिल पति द्वारा भरा जाता रहा है, लेकिन कुछ माह पहले पति ने जानबूझकर बिजली-पानी का कनेक्शन कटवा दिया है।

नोएडा, संवाददाता।

भारत में तीन तलाक कानून लागू हुए लगभग तीन साल से ज्यादा हो चुके हैं। बावजूद मुस्लिम महिलाओं पर अलग-अलग माध्यम से तीन तलाक बोलकर उत्पीड़न के मामले अब भी सामने आ रहे हैं।

अब सेक्टर-55 में रहने वाली एक महिला ने पति पर वाराणसी के ईदारा-ए-शरिया-अराफिया जफर-फल-इलमात मदरसे के माध्यम से 20 दिन के अंदर तीन तलाक स्वीकार करने व घर खाली करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने सेक्टर-58 कोतवाली पुलिस से शिकायत की है।

बेटा नहीं होने के चलते ससुराल पक्ष के लोग नाराज

सेक्टर-55 में रहने वाली वाली नसीम जैदी की शादी वर्ष 2011 में बुलंदशहर के अली इमरान मिर्जा से हुई थी। शादी के बाद दो बेटियां हुई। आरोप है कि बेटा नहीं होने के चलते ससुराल पक्ष के लोग नाराज हो गए। पीड़िता से मारपीट की जाने लगी। मारपीट से परेशान पीड़िता ने स्थानीय पुलिस और कोर्ट से गुहार लगाई। सेक्टर-58 कोतवाली में पति, ननद, और जेठ के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पीड़िता उसी मकान में रहती है जो उसके ससुर व जेठ के नाम है।

नोटिस में पति से तीन तलाक लेने और घर खाली करने की धमकी

चूंकि ससुर की मौत हो चुकी है जबकि जेठ जर्मनी में रहता है। पति पिछले वर्ष अप्रैल 2021 से अलग रहा है। जबकि पीड़िता की यही मांग है कि दोनों पुत्रियों के लालन-पालन की जिम्मेदारी उसके पति की है। इसलिए पति घर में रहकर दोनों पुत्रियों की जिम्मेदारी उठाएं। वह पति से तलाक नहीं चाहती।

बावजूद 22 नवंबर को पीड़िता के पिता को सेक्टर-11 स्थित घर के पते पर डाक के माध्यम से एक नोटिस प्राप्त हुआ। पीड़िता का आरोप है कि नोटिस में मदरसे ने 20 दिन के अंदर पति से तीन तलाक लेने और घर खाली करने की धमकी दी है। मदरसे के लेटर हेड पर दर्ज नंबर पर संपर्क करने पर एक व्यक्ति ने पीड़िता को अवगत कराया कि नोटिस दिया गया है।

समझौते का एक नोटिस महिला को जारी

पति ने तीन तलाक के लिए संपर्क किया था। मामले की शिकायत पुलिस व जिला प्रोबेशन अधिकारी से की है। वहीं आलिम-ए-दीन (शिक्षक) जमीरुल हसन ने बताया कि मदरसे से कोई फतवा जारी नहीं हुआ है। पति के अनुरोध पर समझौते का एक नोटिस महिला को जारी किया है। जिसमें पति द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में 20 दिन के अंदर जवाब अपने देने को कहा है। मदरसा शिया मसलक का है। कोतवाली प्रभारी विवेक त्रिवेदी का कहना है कि महिला ने शिकायत दी है कि पति तीन तलाक की धमकी दे रहा है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

घर का बिजली-पानी कनेक्शन कटवाया

पीड़िता की मां नोएडा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की संस्थापक सदस्य रही है। पिता वर्तमान में नोएडा प्राधिकरण में ठेकेदार है।

पीड़िता अपनी 11 साल और छह साल की पुत्री के साथ सेक्टर-55 स्थित घर में रह रही है। दोनों बेटियां सेक्टर-62 स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ाई कर रही है। पीड़िता का आरोप है कि बिजली और पानी का बिल पति द्वारा भरा जाता रहा है, लेकिन कुछ माह पहले पति ने जानबूझकर बिजली-पानी का कनेक्शन कटवा दिया है। इससे उन्हें अंधेरा में रहना पड़ रहा है।

CEO ने की समीक्षा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में आवासीय और औद्योगिक भूखंडों की स्कीम जल्द

नोएडा, संवाददाता।

ग्रेटर नोएडा में इंडस्ट्री, वाणिज्यक, आवासीय और शिक्षण संस्थान में निवेश के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जल्द स्कीम लांच करने जा रहा है। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने इंडस्ट्री, वाणिज्यक, बिल्डर व संस्थागत विभाग की समीक्षा की।

सीईओ ने इन सभी विभागों को एक सप्ताह में योजना लांच करने के निर्देश दिए। इन योजनाओं के ब्रोशर को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। बकाया भुगतान व प्रोजेक्ट पूरा न कर पाने के चलते अब तक जो भूखंड निरस्त हो चुके हैं, उनको कब्जे में लेकर इन स्कीमों में शामिल करते हुए आवंटित करने के निर्देश दिए हैं। लंबे अंतराल के बाद बिल्डर ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना भी शीघ्र लांच होने जा रही है।

इन्वेस्टर समिट की तैयारियां भी जोरो पर

संस्थागत की योजना में हास्पिटल, शिक्षण संस्थान, डाटा सेंटर के भूखंड शामिल रहेंगे। इसके साथ ही सीईओ ने फरवरी में प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट की तैयारियों की भी समीक्षा की। 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लक्ष्य को पाने के लिए रोडमैप तैयार कर तत्काल जुट जाने को कहा है। इसके लिए सीईओ ने विभागों को निवेश कराने के साप्ताहिक लक्ष्य भी दे दिए हैं। बैठक में एसीईओ अदिति सिंह, दीप चंद्र, प्रेरणा शर्मा, अमनदीप डुली व आनंद वर्धन और ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव समेत सभी वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

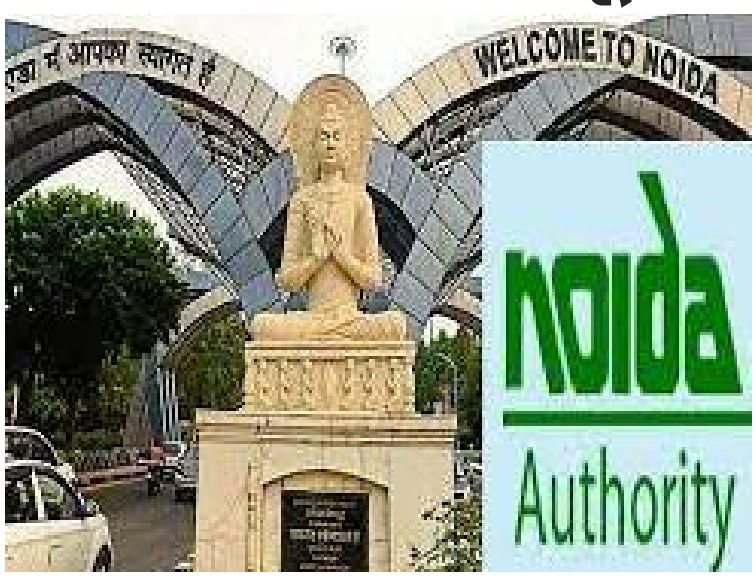

बड़े बकायेदारों के आवंटन रद्द करने के दिए निर्देश

सीईओ ने बैठक में आवंटियों पर बकाया धनराशि की प्राप्ति पर भी चर्चा की और लंबे अर्से से बकाया भुगतान न करने वाले आवंटियों के आवंटन शीघ्र निरस्त करने के निर्देश दिए। सीईओ ने कहा कि जिन आवंटियों पर बकाया रकम अधिक है उनका आवंटन पहले रद किया जाए। उनके बाद कम रकम वाले बकायेदारों के आवंटन रद किए जाएंगे। आवंटन रद करने के साथ ही भूखंडों पर प्राधिकरण के कब्जे की कार्रवाई भी तत्काल पूरी की जाए। ये भूखंड नई योजनाओं में शामिल कर आवंटित किए जाएंगे, ताकि नए निवेशकों को मौका मिले।

प्लास्टिक के दाने बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग

ईकोटेक औद्योगिक क्षेत्र में दमकल की 12 गाड़ियों ने पाया आग पर काबू, 60 गाड़ी पानी लग गया आग बुझाने में

जांच में मिला कि फैक्ट्री में आग बुझाने के उपकरण सही नहीं थे और पानी की व्यवस्था नहीं थी। आग के कारण लगभग एक करोड़ रुपये तक के नुकसान की संभावना व्यक्त की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।

ईकोटेक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात लगभग साढ़े बारह बजे आग लग गई। आग पर काबू पाने में फायर विभाग के 12 वाहनों को दस घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। लगभग 60 गाड़ी पानी से आग बुझाई गई। आग के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। भीषण आग से फैक्ट्री में रखा अधिकतर माल जलकर राख हो गया।

जांच में मिला कि फैक्ट्री में आग बुझाने के उपकरण सही नहीं थे और पानी की व्यवस्था नहीं थी। विभाग के कर्मचारियों ने शनिवार सुबह लगभग दस बजे तक आग पर काबू पाया। आग के कारण लगभग एक करोड़ रुपये तक के नुकसान की संभावना व्यक्त की जा रही है।

ईकोटेक एक कोतवाली क्षेत्र के भूखंड नंबर 348 में अजय जैन की एक फैक्ट्री है। फैक्ट्री में प्लास्टिक के दाने से प्लास्टिक की चादर बनाने का काम किया जाता है। फैक्ट्री में रात-दिन काम चलता है, 40 कर्मचारी काम करते हैं। शुक्रवार रात लगभग साढ़े बारह बजे मोटर में शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली।

घटना की सूचना फायर विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद फायर विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। भीषण आग को देखते हुए विभिन्न फायर स्टेशन से अन्य गाड़ियां भी बुलाई गई। कुछ देर में ही 12 गाड़ियां पहुंच गई। फैक्ट्री में पानी की व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में फायर वाहनों ने पास की एसेंट पेंट व अन्य फैक्ट्रियों से पानी लिया। पूरी फैक्ट्री में प्लास्टिक का माल फैला हुआ था, कुछ ही देर में आग ने अधिकतर माल को अपनी गिरफ्त में लिया। आग की लपटें इतनी अधिक थी आस-पास की दूसरे फैक्ट्रियों में भी आग फैलने का खतरा पैदा हो गया। बगल की फैक्ट्रियों में आग न फैले इसे देखते हुए अन्य फैक्ट्री वालों को सचेत किया गया। साथ ही फैक्ट्री में किनारे की तरफ पानी की बौछार अधिक की गई। आग बुझाने का सिलसिला रात लगभग पौने एक बजे शुरू हुआ जो शनिवार सुबह लगभग दस बजे तक चला।

आग बुझाने के उपकरणों में कमी होने के कारण फैक्ट्री संचालक को पूर्व में ही नोटिस जारी किया था। बावजूद संचालक ने कोई काम नहीं कराया था। लगभग दस घंटे में आग पर काबू पाया, कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रदीप कुमार, सीएफओ गौतमबुद्ध नगर

मंदिर निर्माण को लेकर भड़के पंचशील ग्रींस सोसायटी के लोग

बिल्डर व सोसायटी के लोग आमने-सामने, पुलिस ने आकर निर्माण कार्य को बंद करा दिया

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील ग्रींस एक सोसायटी में मंदिर के निर्माण को लेकर बिल्डर व सोसायटी के लोग आमने-सामने आ गए हैं। लोग सोसायटी परिसर में मंदिर का निर्माण कराना चाहते हैं। इसको लेकर शनिवार को सोसायटी परिसर में पूजा-अर्चना की गई, लेकिन रखरखाव प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने आकर निर्माण कार्य को बंद करा दिया। इससे सोसायटी के लोग आक्रोशित हो उठे।

नारेबाजी करते हुए धरना देने बैठे लोग

सोसायटी के लोग नारेबाजी करते हुए मंदिर निर्माण स्थल पर ही धरना देकर बैठ गए। सोसायटी के लोगों ने बिल्डर पर गंभीर आरोप

लगाते हुए बताया कि वह पिछले छह साल से सोसायटी परिसर में मंदिर का निर्माण कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

लोगों ने स्वयं मंदिर निर्माण कराने का लिया निर्णय

सोसायटी के विनोद कुमार ने बताया कि आसपास मंदिर न होने की वजह से सोसायटी के लोगों को ईकोविलेज दो स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए जाना पड़ता है। बिल्डर से मंदिर निर्माण की मांग की गई, लेकिन बिल्डर ने मना कर दिया।

चंदा एकत्र कर सोसायटी के लोगों ने स्वयं मंदिर का निर्माण कार्य कराए जाने का निर्णय लिया। सोसायटी के विनय व आदेश ने बताया कि शनिवार सुबह को मंदिर निर्माण को पूजा अर्चना शुरू हुई तभी पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने मंदिर का निर्माण कार्य कराने वालों के नाम पूछे जिसके बाद सोसायटी के लोग भड़क गए और नारेबाजी शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस ने मंदिर का निर्माण कार्य रूकवा दिया है। वहीं, सोसायटी के लोग धरना देकर बैठ गए हैं।

लोगों ने पुलिस चौकी का किया घेराव

पुलिस प्रदर्शनकारियों की अगुवाई कर रहे सोसायटी के एओए अध्यक्ष विकास कुमार को अपने साथ चौकी ले आई। इससे सोसायटी के लोग भड़क उठे। सोसायटी की महिला व पुरुषों ने चेरी काउंटी पुलिस चौकी पहुंचकर घेराव किया। खबर लिखे जाने तक सोसायटी के लोगों का प्रदर्शन जारी रहा।

एयरपोर्ट 2053 हेक्टेयर पर खर्च होंगे 15 हजार करोड़

तीसरे व चौथे चरण के लिए जमीन अधिग्रहण को मिली मंजूरी

अधिगृहीत जमीन में से सात सौ हेक्टेयर में एयरक्राफ्ट के कलपुर्जों के निर्माण के लिए उद्योग स्थापित होंगे, शेष जमीन पर दो रनवे बनाए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के तीसरे व चौथे चरण के लिए जमीन अधिग्रहण को प्रदेश सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। दोनों चरण के लिए कुल 2053 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत की जाएगी। इससे दस गांव प्रभावित होंगे। अधिग्रहण व ग्रामीणों के विस्थापन पर करीब 15 हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान है। अधिसूचना जारी होने पर जिला प्रशासन को जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव भेजा जाएगा। अधिगृहीत जमीन में से सात सौ हेक्टेयर में एयरक्राफ्ट के कलपुर्जों के निर्माण के लिए उद्योग स्थापित होंगे, शेष जमीन पर दो रनवे बनाए जाएंगे।

पहले चरण के लिए 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हुआ था। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. इस जमीन पर एयरपोर्ट का निर्माण कर रही है। पहले चरण में दो रनवे, टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टावर, कार्गो टर्मिनल व अन्य सुविधाएं विकसित होंगी। इसकी लागत 58 सौ करोड़ है। इसमें पंद्रह प्रतिशत खर्च हो चुका है। इसके साथ ही दूसरे चरण के लिए 1365 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हो रहा है।

अधिग्रहण से दस गांव होंगे प्रभावित

सोशल इंपेक्ट एसेसमेंट पूरा होने के बाद जमीन अधिग्रहण कानून की धारा 11 की अधिसूचना जारी हो चुकी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने तीसरे व चौथे चरण के लिए भी जमीन अधिग्रहण की स्वीकृति प्रदान कर दी है। तीसरे चरण के लिए 1318 हेक्टेयर व चौथे चरण के लिए 735 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत होगी। इसके अधिग्रहण का प्रस्ताव यमुना प्राधिकरण एक माह में जिला प्रशासन को सौंप देगा। इस अधिग्रहण से दस गांव प्रभावित होंगे। चारों चरण में कुल 4752 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत होगी।

लिफ्ट में पालतू कुत्ते ने दो बच्चियों पर किया हमला, घटना का वीडियो हो रहा वायरल

नोएडा, संवाददाता। सेक्टर- 168 के द गोल्डन पाल्म सोसायटी से एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक पालतू कुत्ता जो बच्चियों को काटने की जुगत मैं हमला करते दिख रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस मुद्दे को लेकर सोसायटी के दो पक्षों में आपसी विवाद भी हो गया है। हालांकि, इस घटना से बच्चियों को फिलहाल नुकसान नहीं हुआ है। कुत्तों के आतंक के मुद्दे से सोसायटी में हड़कंप मचा हुआ है।

लोग नहीं कर रहे नियमों का पालन

बता दें कि सोसायटी में AOA ने कुत्तों को लेकर नियम भी बनाए हुए है। हालांकि कई लोग इसका पालन नहीं कर रहे है। AOA अध्यक्ष दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि लिफ्ट में कुत्ता बच्चे को काटने को दौड़ा है। जानकारी के मुताबिक इस कुत्ते की ब्रीड पोमेरेनियन बता रहे हैं। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा रहा है कि लिफ्ट दो बच्चे मौजूद हैं। कुछ देर बाद लिफ्ट में एक महिला अपने पालतू पोमेरेनियन ब्रीड के कुत्ते के साथ लिफ्ट में प्रवेश करती है। जैसी महिला और कुत्ता लिफ्ट में प्रवेश करती है वैसे ही कुत्ता बच्ची पर हमला करता है। इसके बाद कुत्ते से दोनों बच्चियां में डर का माहौल स्थापित हो जाता है, और दोनों लिफ्ट से बाहर चली जाती है।

कुत्तों के आतंक से परेशान है लोग

कुत्तों के आतंक का मामला नया नहीं है। ग्रेटर नोएडा में कुछ दिन पहले ही एक महिला अपने 7 साल के बच्चे को कालोनी गेट के बाहर से लेने गई थी। महिला बच्चे को लेकर जैसे ही सोसायटी की लिफ्ट में सवार हुई, वैसे ही एक पालतू कुत्ते ने बच्चे के हाथ पर हमला कर दिया। इस घटना का भी वीडियो सीसीटीवी में कैद हुआ था।

स्वच्छता मुहिम बढ़ाने को सेक्टरों के बीच होगी प्रतियोगिता–ACEO प्रेरणा शर्मा

सेक्टर 37 में सफाईगिरी कार्यक्रम में पहुंची एसीईओ ने किया ऐलान

एसीईओ ने सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की दी सीख

ग्रेटर नोएडा। कपिल कुमार

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईसी रितु माहेश्वरी की पहल पर शुरू हुआ सफाईगिरी अभियान इस शनिवार सेक्टर 37 पहुंचा। इसमें शिरकत करते हुए प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा शर्मा ने सेक्टरों के बीच भी अब स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित करने का ऐलान किया। उन्होंने सेक्टरवासियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील की।

प्रेरणा शर्मा ने कहा कि 10 साल पहले और आज के समय में बहुत बदलाव आ गया है। अब सफाई बहुत ही महत्वपूर्ण हो चुकी है। स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्राधिकरण प्रयत्नशील हैं। ग्रीन बेल्ट, गार्डन आदि को संरक्षित व मेनटेन रखना बहुत ही आवश्यक है, जिससे कि पर्यावरण ठीक रहे। एसीईओं ने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा उठाने का काम चल रहा है। सभी निवासी इसमें सहयोग करें। अपने घरों के सूखे व गीले कूड़े को अलग करें। गीले कूड़े से कंपोस्ट बनाकर परिसर की ग्रीनरी में इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी सेक्टरवासियों से वेस्ट एग्रीगेशन करने की अपील की। एसीईओं ने कहा कि स्वच्छता की मुहिम को और आगे ले जाने के लिए सेक्टरों के बीच प्रतियोगिता कराई जाएगी, जिसमें अव्वल आने वाले सेक्टरों और सोसाइटियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर सेक्टर 37 की आरडब्ल्यूए ने एसीईओ प्रेरणा शर्मा को ज्ञापन भी सौंपा। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने सेक्टर में सामुदायिक केंद्र बनाने, गार्ड रूम , मदर डेयरी बूथ, नर्सिंग होम आदि का निर्माण कराने की मांग की। एसीईओ ने समस्याओं को इन समस्याओं को शीघ्र निस्तारित कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में शामिल प्रभारी जीएम प्रोजेक्ट सलिल यादव ने सफाईगिरी कार्यक्रम के बहुआयामों से सेक्टरवासियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सफाईगिरी कार्यक्रम सफाई के साथ-साथ अन्य सभी समस्याओं को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तक पहुंचाने का एक मंच भी है। उन्होंने कहा कि समस्याएं दो तरह की होती हैं। एक अल्पकालिक समस्याएं हैं, जिनका समाधान तत्काल हो सकता है, जैसे सफाई आदि शामिल हैं। वहीं दीर्घकालिक समस्याएं जैसे कम्युनिटी सेंटर बनाना, सड़क निर्माण आदि हैं।

उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए तैयारी कर रहा है और क्षेत्र की बेहतर सफाई के लिए प्रयासरत है। इसलिए सभी निवासियों के सहयोग की जरूरत है। पर्यावरण को स्वच्छ रखना जरूरी है। सभी से अनुरोध है कि गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग कर गीले कूड़े का कंपोस्ट बनाएं और सेक्टर के अंदर लगे पेड़ पौधों में इसका इस्तेमाल करें। प्राधिकरण के स्वच्छता अभियान से जुड़ी संस्था ई एंड वाई, फीडबैक फाउंडेशन और एआईआईएलएसजी ने क्षेत्रवासियों को होम कंपोस्टिंग बनाने के बारे में जानकारी दी।

नोएडा के शख्स की दास्तान, पत्नी की मौत के झूठे आरोप में 9 साल बाद बरी

नोएडा। श्रद्धा मर्डर केस में जहां एक तरफ दिल्ली पुलिस की जांच चल रही है वहीं, राष्ट्रीय राजधानी से सटे नोएडा में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां पत्नी के आत्मदाह के झूठे आरोपों के चलते पति को 9 साल तक अपराधबोध का दर्द झेलना पड़ा है, और अब कोर्ट ने उसे बरी किया है। नौ साल पहले पत्नी को आत्मदाह के लिए उकसाने के आरोपित रोहित पाठक को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय ने रोहित को अपनी पत्नी अमृता पाठक के आत्मदाह के आरोप से बरी कर दिया है। साथ ही कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए माना कि उनकी पत्नी की मौत आग लगने की घटना के कारण हुई है। इसके अलावा रोहित पर दहेज प्रताड़ना के भी आरोप लगे थे, जिन्हें भी कोर्ट ने खारिज कर दिए है।

2013 में पाठक दंपति के घर में आग लग गई जिसमें पत्नी अमृता बुरी तरह से जल गई थी। इसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद अमृता के भाइयों ने नोएडा के सेक्टर 58 पुलिस स्टेशन में रोहित के खिलाफ मामला दर्ज कराया जिसमें उन पर अमृता को आत्मदाह के लिए उकसाने के साथ-साथ दहेज में 3 लाख रुपये और कुछ गहने की मांग के आरोप लगाए। इसे लेकर पुलिस ने IPCC की धारा 306 के तहत शिकायत दर्ज की थी और रोहित को 6 अक्टूबर 2013 को गिरफ्तार कर लिया था। बता दें कि रोहित फिलहाल जमानत पर बाहर था।

कोर्ट में रोहित की दलील

कोर्ट में रोहित के वकील के मुताबिक जब रोहित को आग लगने की जानकारी मिली थी तब वह नोएडा में अपने कार्यालय में थे। जैसे ही वह अपने घर पहुंचे तो उन्होंने अपनी पत्नी अमृता को सेक्टर 66 स्थित जगदंबा अस्पताल ले गए। इसके बाद डाक्टरों ने उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया था, जहां 22 अक्टूबर को 85% जलने की वजह से उनकी मौत हो गई।

रोहित के भाइयों ने की 14 लाख की मांग

मामले को लेकर न्यायाधीश, अवनीश सक्सेना ने कहा कि सबूत बताते हैं कि यह एक आकस्मिक मृत्यु थी और मृतक द्वारा आत्मदाह नहीं किया गया था। इस केस की सुनवाई के दौरान रोहित ने बताया कि अमृता के भाइयों ने शिकायत दर्ज करने से पहले मामले को निपटाने के लिए उनसे 14 लाख रुपयों की मांग की थी।

रोहित को था न्यायपालिका पर भरोसा

इस सुनवाई के दौरान सफदरजंग अस्पताल में अमृता का इलाज करने वाली डॉ. शालू ने कहा था कि अमृता ने उन्हें बताया था कि रुखाना बनाते समय एक दुर्घटना के कारण, शायद गैस रिसाव के कारण वह जल गई थी।मामले में बरी होने के बाद रोहित ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा था, और उन्हें विश्वास था कि देर-सवेर न्याय जरूर मिलेगा और न्याय की ही जीत हुई है।

कुत्ते को घुमाने ले गए लोग, धू–धू कर जल गया लाखों का सामान

फ्लैट में रहने वाले लोग पालतू कुत्ते को पार्क में टहलाने के लिए नीचे गए थे।

नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की रायल नेस्ट सोसायटी के एक फ्लैट में आग लग गई। जिस समय आग लगी फ्लैट में कोई नहीं था। फ्लैट में रहने वाले लोग अपने पालतू कुत्ते को पार्क में टहलाने के लिए नीचे गए थे। सोसायटी के लोगों का आरोप है कि आग लगने के बाद सोसायटी में लगे अग्निशमन उपकरणों ने काम नहीं किया। लोगों ने बाल्टियों में पानी डालकर आग पर काबू पाया। सूचना पर दमकल की गाड़ी भी आग बुझाने पहुंची, लेकिन तब तक लोग आग पर काबू पा चुके थे। बता दें कि आग लगने की वजह फ्रीज में शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

अग्निशमन उपकरणों नहीं मौके पर काम

अग्निशमन उपकरणों के काम न करने पर सोसायटी के लोगों ने नाराजगी जताई है। सोसायटी के दीपक कुमार ने बताया कि सोसायटी के एन-5 टावर की फ्लैट संख्या 807 में रोशन अकेले रहते हैं। उन्होंने आठवे फ्लोर पर फ्लैट किराये पर लिया हुआ है। उन्होंने बताया कि वह शाम करीब पांच बजे अपने पालतू कुत्ते को टहलाने के लिए फ्लैट पर ताला लगाकर नींचे गए थे। कुत्ते को टहलाने के बाद जैसे ही फ्लैट पहुंचे उन्हें धुआं उठता दिखाई दिया। ताला खोलकर देखा तो रसोई में रखा सामान धू-धूकर जल रहा था।

सोसायटी के लोगों ने जताया आक्रोश

शोर मचाने पर सोसायटी के लोग एकत्र हो गए, सोसायटी में लगे अग्निशमन उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास किया लोगों का आरोप है कि अग्निशमन उपकरणों ने काम नहीं किया। लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचित करने के साथ बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने में जुट गए। वहीं घटना के बाद अग्निशमन उपकरण चालू न होने पर सोसायटी के लोगों ने आक्रोश जताया है। लोगों का कहना है कि यदि फ्लैट में लगा सप्रिंकलर सिस्टम चालू हो जाता तो सामान जलने से बच सकता था। इस संबंध में सोसायटी के रखरखाव प्रबंधक दीपू सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर रखरखाव प्रबंधक की टीम मौके पर पहुंच गई थी। सोसायटी में लगे सिलेंडरों से आग पर काबू पाया गया। जिसके बाद हाइड्रेड सिस्टम चालू कर आग बुझाई गई।

मोबाइल लुटेरे बदमाश से मुठभेड़ में लगी गोली

नोएडा, संवाददाता।

सुबह की सैर पर निकले युवक से मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाश को फेज-1 कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार को तत्परता दिखाते हुए पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान दिल्ली के जय किशन उर्फ रोहित के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक, तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

एडिशनल DCP नोएडा आशुतोष द्विवेदी का कहना है कि बृहस्पतिवार सुबह की सैर पर निकले साजिद से सेक्टर-8 के बुलेट शोरूम के पास से एक बाइक सवार मोबाइल छीनकर फरार हो गया।

पीड़ित ने तुरंत मामले की सूचना कंट्रोल रूम व डायल-112 को दी। सूचना के तुरंत बाद फेज-1 कोतवाली पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी शुरु की। कोतवाली प्रभारी बिरेश पाल गिरी अपनी टीम के साथ बदमाश की तलाश में निकले। वहीं प्राइवेट के टीम में शामिल कांस्टेबल मनीष चौधरी व सचिन ने अपनी टीम के साथ घेराबंदी शुरु की।

पुलिस ने चलाई बदमाश पर गोली

पुलिस को सेक्टर-15 के पास एक संदिग्ध युवक बाइक से आता दिखाई दिया, तो पुलिस टीम ने युवक को रुकने का प्रयास किया। गिरफ्तारी के डर से युवक पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने का प्रयास करने लगा। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी है।

घायल बदमाश को इलाज के लिए सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पुलिस बदमाश से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार बदमाश पर लूट के एक दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत हैं।

बदमाश के साथियों की तलाश में जुटी पुलिस

आरोपित पूर्व मेंभी गिरफ्तार होकर जेल गया था। पुलिस गिरफ्तार बदमाश के साथियों का पता लगाने में जुटी है। बदमाश कंपनी, फैक्ट्री, होटल के पास सड़क किनारे और सुबह की सैर पर निकले लोगों को अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम देता था। बदमाश इसके लिए अलग-अलग बाइक का इस्तेमाल करता है।

नोएडा व्यूज

यदि आपको नोएडा व्यूज की प्रतियां नियमित मिलने में परेशानी हो रही है तो कृपया हमें ई-मेल करें या फिर दिए गए नंबर पर ह्वाट्सएप करें। हम शीघ्र ही समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। अपना अखबार शुरू करवाने के लिए संपर्क करें-

+91 9810402764, noidaviews2014@gmail.com

फर्नीचर व्यापारी की कार से साढ़े छह लाख रुपये की नकदी चोरी, आरोपितों की तलाश में जुटी पुलिस

मामलों के बढ़ोतरी से इलाके में चोरी की वारदातों को लेकर डर का माहौल स्थापित हो रहा है।

नोएडा, संवाददाता।

बिरौंडी गांव स्थित मंदिर पर पूजा करने गए फर्नीचर व्यापारी व साइट फोर व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय विश्वकर्मा की कार से चोरों ने साढ़े छह लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। इस मामले को लेकर फिलहाल 11 लोगों पर चोरी का शक जताया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

कैसे हुई चोरी?

बीटा दो कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर के सेक्टर पाइ स्थित यूनिटेक होराइजन सोसायटी में विजय विश्वकर्मा रहते है। उनकी लकड़ी की दुकान है और फर्नीचर का व्यापार है। मंगलवार रात साढ़े सात बजे वह सोसायटी जाने के लिए निकले थे। रास्ते में बिरौंडी गांव के मंदिर पर रूककर हनुमान चालीसा पढ़ने लगे। उन्होंने अपनी कार मंदिर के बाहर सड़क पर खड़ी की। पूजा के बाद जब वह वापस आए तो देखा कि कार में रखे साढ़े छह लाख रुपये चोरी हो गए।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

विजय ने बताया कि करीब साढ़े छह लाख की पेमेंट उनकी अन्य लोगों से आई थी। बीटा दो कोतवाली प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि मामला पूरी तरह से संदिग्ध है। कार का शीशा नहीं टूटा। कोई दरवाजे का लाक नहीं टूटा। ऐसे में चोरी कैसे हो गई, फिर भी शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश होगा।

बता दें कि नोएडा की कानून व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे है। नोएडा क्षेत्र में ही एक अन्य मामले में एक चोर ने मोबाइल की चोरी कर पुलिस पर फायरिंग की थी। इसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे पैर में गोली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। इस तरह के मामलों के बढ़ोतरी से इलाके में चोरी की वारदातों को लेकर डर का माहौल स्थापित हो रहा है।

जिला जेल में 26 बंदी मिले HIV पॉजिटिव, एआरटी सेंटर में इलाज शुरू

नोएडा, संवाददाता। जिला कारागार में बंद 26 बंदियों की रिपोर्ट एचआइवी पॉजिटिव मिली है। जेल में शिविर लगाकर हुई जांच के बाद यह बात सामने आई है। ह्युमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआइवी) पॉजिटिव आने के बाद जेल प्रशासन ने बंदियों का सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल स्थित एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर में इलाज शुरू कर दिया गया है।

शिविर 2650 बंदियों के लिए गए नमूने

जिला अस्पताल के पैथ लैब प्रभारी डा. एचएम लवानिया ने बताया कि जेल में बंदियों की जांच के लिए एचआइवी शिविर लगाया गया था। करीब 15 दिन चले जांच में शिविर 2650 बंदियों की स्क्रीनिंग के बाद नमूने लिए गए। 26 बंदी एचआइवी पॉजिटिव मिले। एचआइवी पाजीटिव मिले बंदियों को एआरटी सेंटर में पंजीकृत करा दिया गया है। सीएमएस डा. पवन कुमार का कहना है कि मरीजों की एंटी रेट्रो वायरल थेरेपी (एआरटी) के लिए जेल प्रशासन को कहा गया है।

प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है असर

एचआइवी मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर प्रभाव डालता है। विशेषज्ञों के मुताबिक जेल जाने से पहले कई आरोपित आमतौर पर सिरिंज के माध्यम से ड्रग्स लेते हैं, जो एचआईवी फैलाने का कारण है। जेल में बंदियों के बीच लड़ाई झगड़े होते रहते हैं। जिसमें चोटें भी लगती हैं। ऐसे में खून के जरिये संक्रमण दूसरे मरीजों को मिल सकता है।

कैसे होता है एचआइवी

असुरक्षित यौन संबंध बनाना।
संक्रमित सुई से टैटू बनवाने से।
एचआइवी संक्रमित ब्लड चढ़ने से।
संक्रमित मां से होने वाले बच्चे को।
यदि संक्रमित ब्लड किसी अन्य व्यक्ति के संपर्क में आ जाए।

नोडल अधिकारी डा. शिरीष जैन ने बताया कि प्रत्येक वर्ष जिला कारागार में शिविर लगाकर बंदियों के सैंपल एचआइवी जांच के लिए लिए जाते हैं।

पार्किंग ठेकेदारों का कारनामा, 3 साल से प्राधिकरण तक नहीं पहुंचाया शुल्क

नोएडा, संवाददाता। करीब तीन साल से शहर की सड़कों पर पार्किंग के नाम पर वसूले जा रहे शुल्क से ठेकेदार अपनी जेब गरम कर रहे हैं। करोड़ों रुपये का पार्किंग शुल्क जनता से वसूलने के बाद भी प्राधिकरण के खाते में एक रुपया भी जमा नहीं कराया गया है। प्राधिकरण अधिकारियों की अनदेखी भी उजागर हो रही है, जिन्होंने पिछले तीन वर्ष में अब तक पार्किंग शुल्क प्राधिकरण के पक्ष में जमा कराए जाने को लेकर कागजी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की है। लेकिन अब निर्देश दिए गए है कि 30 नवंबर को 54 पार्किंग स्थल से सरफेस पार्किंग का ठेका समाप्त किया जाएगा। ठेकेदार पैसा जमा कराने के बजाय मामले को लंबा खींचने के लिए कोर्ट की शरण में चले गए।

68 साल की महिला ने 22 वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित चेरी काउंटी सोसायटी में बुधवार तड़के तीन बजे के करीब 22वीं मंजिल से कूदकर 68 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली। महिला डिप्रेशन में थी। आत्महत्या करने से पहले उसने ब्लड प्रेशर की 50 गोलियां खाई थी। इस बात का जिक्र महिला ने सुसाइड नोट में भी किया है कि जब 50 गोली खाने से बीमारी में सुधार नहीं हुआ तो जीने का कोई फायदा नहीं है।

ब्लड प्रेशर की 50 गोलियां खाई

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित चेरी काउंटी सोसायटी में 68 वर्षीय सुदेसना जाना अपने दामाद तुषार कांत व बेटी प्रियंका जाना के साथ रहती थी। वह लंबे समय से हाइ ब्लड प्रेशर व सुगर की बीमारी से जूझ रही थी। इस वजह से वह डिप्रेशन में थी। मंगलवार रात बेटी-दामाद के सोने के बाद सुदेसना भी अपने कमरे में चली गई। उन्होंने रात के समय ब्लड प्रेशर की 50 गोलियां खाई। तीन बजे तक उनको आराम नहीं मिला तो उन्होंने आत्महत्या कर ली। वह 22वीं मंजिल से कूद गई। सोसायटी में तैनात सुरक्षागार्ड ने महिला के कूदने की सूचना पुलिस व स्वजन को दी। बिसरख कोतवाली प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि महिला लंबे समय से बीमार थी। मौके से सुसाइड नोट मिला है।

किशोर ने की युवक की गोली मारकर हत्या

करीब तीन महीने पहले हुई मारपीट का बदला लेने के लिए बीते दिनों युवक की किशोर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। आरोपित के पास से मोबाइल व देसी कट्टा बरामद किया गया है।

नोएडा और दिल्ली के बीच सफर होगा और आसान

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-142 से बाटेनिकल गार्डन का एक्वा लाइन मेट्रो की नई लिंक लाइन का अलाइनमेंट इस सप्ताह फाइनल हो सकता है। नए सिरे से लिंक लाइन की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का फैसला भी लिया जाएगा। इसके लिए सप्ताह के अंत में नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन अधिकारियों की बैठक होने जा रही है। लिंक लाइन के दो वैकल्पिक रूटों में किसी एक को फाइनल करने का निर्णय लिया जाएगा। एनएमआरसी प्रवक्ता ने बताया कि फिलहाल प्रस्तावित रूट की तकनीकी फिजीबिलिटी और फाइनेंशियल वाइबिलिटी के लिए रिपोर्ट को डीएमआरसी को भेजा गया है, ताकि अंतिम मंजूरी दी जा सके। एक्वा लाइन के लिए लिंक लाइन के रूप में सेक्टर-142 मेट्रो स्टेशन से ब्लू व मजेंटा लाइन के बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन को नई मेट्रो लाइन जोड़ेगी।

ठगी फर्जी चिटफंड कंपनी बनाकर लोगों से की ठगी

ठगी करने वाले आरोपित की 45 लाख की संपत्ति जब्त

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने संगठित अपराध की कमर तोड़ने के बाद ठगी करने वालों के खिलाफ नजर टिका ली है। चिटफंड कंपनी बनाकर धन दोगुना करने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले सुदेश उर्फ टिल्लु की 45 लाख की संपत्ति बिसरख कोतवाली पुलिस ने जब्त की है।

गैंगस्टर एक्ट के तहत यह कार्रवाई की गई है। आरोप है कि आरोपित टिल्लु ने ठगी की रकम से अवैध संपत्ति अर्जित की। टिल्लु के ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचशील सोसायटी के फ्लैट को जब्त कर नोटिस दीवार पर लिखा गया है।

पुलिस की लिस्ट में कई अन्य अपराधियों का नाम शामिल है, जिनकी आने वाले दिनों में आर्थिक रूप से कमर टूटेगी।

फर्जी चिटफंड कंपनी बनाकर दिया झांसा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचशील सोसायटी में रहने वाले टिल्लु ने गिरोह बनाकर लोगों से ठगी की घटना को अंजाम दिया। आरोपित ने कागजों में फर्जी चिटफंड कंपनी बनाई और लोगों को झांसा दिया कि निवेश रकम का दोगुना वापस किया जाएगा।

आरोपित कंपनी को दिवालिया घोषित कर फरार

कुछ समय बाद आरोपित कंपनी को दिवालिया घोषित कर फरार हो गया था। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बीते दिनों आरोपित टिल्लु को गिरफ्तार किया था। उसके बाद मामले में गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू की गई। बिसरख कोतवाली प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि ठगी की रकम से आरोपितों ने दिल्ली एनसीआर में और भी संपत्ति खरीदी है। उनको चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिना आर्डर के दरवाजे पर डिलीवरी ब्वाय आए तो रहें सावधान

नोएडा, संवाददाता। आपने किसी सामान का आर्डर नहीं किया है, इसके बावजूद डिलीवरी ब्वाय आपके दरवाजे पर दस्तक देता है तो सावधान हो जाइए। डिलीवरी ब्वाय की जगह वह जालसाज गिरोह का सदस्य हो सकता है। थोड़ी सी असावधानी से आपका खाता खाली हो सकता है। कई जगह ऐसे मामले सामने आए हैं जहां डिलीवरी ब्वाय बनाकर आए जालसाज ने ओटीपी हासिल की और इसके बाद खाते से रकम निकल गई।

माफिया का सपना था माननीय बनने का, कोर्ट ने सुनायी सजा

इस बार हुए जिला पंचायत चुनाव में उसकी पत्नी के नाम से पर्चा खरीदा गया, लेकिन अंतिम समय में दाखिल नहीं किया गया।

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने 11 साल पुराने मामले में पैरवी की और जिला न्यायालय ने कुख्यात अनिल दुजाना को तीन साल की सजा सुनाई है। इससे माफिया से माननीय बनने का सपना संजोए अनिल दुजाना को करारा झटका लगा है।

मामले में मंगलवार को गौतमबुद्ध नगर सीजेएम कोर्ट ने सजा सुनाई है। अनिल पर 20 हजार का जुर्माना लगाया गया है। वर्ष 2011 में बुलंदशहर के युवक की हत्या के मामले में केस में फरारी के दौरान पुलिस की तरफ से अनिल दुजाना के खिलाफ आइपीसी की धारा 174 ए के तहत फरारी का मुकदमा दर्ज किया गया था।

गिरोह का सरगना है अनिल दुजाना

कुर्की आदेश जारी होने के बाद भी बदमाश कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ तो पुलिस ने फरारी का मुकदमा दर्ज किया था। अनिल दुजाना गिरोह का सरगना है, उस पर 50 से अधिक हत्या, लूट, रंगदारी, जानलेवा हमला समेत कई अन्य धारा में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2016 में हुए जिला पंचायत चुनाव में वार्ड नंबर तीन से अनिल दुजाना ने जीत दर्ज की थी। उसके बाद उसकी हसरत राजनीति के मैदान में और आगे बढ़ गई। इस बार हुए जिला पंचायत चुनाव में उसकी पत्नी के नाम से पर्चा खरीदा गया, लेकिन अंतिम समय में दाखिल नहीं किया गया।

इन चीजों का इस्तेमाल अपनी डाइट से, आज ही करें बाहर, दिखेंगे लाभ

खाना न सिर्फ हमारे शरीर के लिए जरूरी है बल्कि यह हमारे पूर्ण विकास में भी एक अहम भूमिका निभाता है। अक्सर ऐसा कहा जाता है कि घर की बनी खाने की चीजें बाहर के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और अच्छी रहती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग घर का बना साफ और स्वस्थ खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके किचन में मौजूद कुछ चीजें, जिनका आप खाने में भी इस्तेमाल करते हैं, आपके लिए जहर का काम करती हैं। खाने में उपयोग की जाने वाली ये चीजें आपके लिए किसी स्लो प्वाइजन से कम नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप इनके बारे में जानकर इसका कम से कम इस्तेमाल करना शुरू कर दें।

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

चीनी

चाय-कॉफी और लगभग हर मीठे व्यंजन में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी यानी शक्कर आपकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेय है। चीनी के अधिक सेवन से आपको ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वजन बढ़ना और फैटी लीवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इतना नहीं शक्कर ज्यादा खाने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ जाता है।

मैदा

मैदा हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रहा है। हालांकि, मैदा आटे से ही बनता है, लेकिन मैदा बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसमें मौजूद कई सारे फाइबर्स और विटामिन्स अलग हो जाते हैं, जो इसे हानिकारक बना देता है। डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

नमक

अधिक मात्रा में नमक का सेवन भी सेहत के लिए काफी हानिकारक माना गया है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नमक की अधिकता कई गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है। ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर,कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

फ्रोजन फूड

अगर आप भी खाने में फ्रोजन फूड का काफी इस्तेमाल करते हैं, तो अब सतर्क होने का समय आ गया है। दरअसल, फ्रोजन फूड सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। दरअसल, ऐसे खाद्य पदार्थों में कई सारे आर्टिफिशियल कलर्स और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। इसकी वजह से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावनाएं बनी रहती हैं।

वनस्पति घी

वनस्पति घी हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। इसमें ट्रांस फैट होता है, जिसके लगातार इस्तेमाल से मोटापा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं वनस्पति घी का ज्यादा उपयोग करने से दिल की बीमारियां और ब्रेन स्टोक्स का खतरा भी बढ़ जाता है।

बच्चे की ये आदतें बना सकती हैं उसे बीमार, ठीक होते ही फिर हो सकती है बीमारी

हमारी आदतें ही हमारी बीमारी का कारण हो सकती हैं और बच्चों में तो यह बात और भी ज्यादा सही बैठती है क्योंकि बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है और जब वो अनहेल्दी आदतों में लिप्त रहते हैं तो बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है। यहां हम आपको कुछ रोजमर्रा की ऐसी हेल्दी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत करने का काम करेंगी और बीमारी से भी बचा जा सकेगा। अगर आपका बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है या उसे सर्दी-खांसी जैसी आम बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं या उसकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो आपको आदतों पर गौर करना चाहिए।

हाथों की सफाई है जरूरी

यह सुनने में जितना मामूली लगता है, संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए हाथ धोना उतना ही ज्यादा प्रभावी है।

हाथ धोना उन कीटाणुओं और विषाणुओं को खत्म करने का एक शानदार तरीका है जो बच्चे खेलते समय, खिलौनों को शेयर करने, वस्तुओं को छूने आदि के दौरान ले सकते हैं। खासकर यदि आपके पड़ोस, स्कूलों या यहां तक कि आपके घर में कोई वायरस फैल रहा है, तो सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा नियमित रूप से अपने हाथ अच्छी तरह धोए।

चेहरे को छूना

कई वायरस हवा के माध्यम से फैलते हैं, जो बीमार व्यक्ति द्वारा खांसने या छींकने पर आते हैं। यह नाक, आंख और मुंह के जरिए दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। आप बच्चे को बताएं कि चेहरे को छूने से बचना क्यों आवश्यक है।वयस्कों के लिए भी, चेहरे को छूने की आदत नहीं रखनी चाहिए।

पर्याप्त नींद है जरूरी

पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। नींद की कमी अक्सर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी होती है।

अध्ययनों से पता चला है कि जिन लोगों को अच्छी नींद नहीं आती है, उनके बीमार होने की संभावना अधिक होती है और यह बच्चों में भी होता है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे पर्याप्त नींद ले रहे हैं या नहीं।

ये मसाले बॉडी को रखते हैं अंदर से गर्म, ऐसे करें काढ़ा

काढ़ा कई तरह के जड़ी-बूटियों से तैयार किया जाने वाला एक तरह का औषधिय पेय होता है। ठंड के मौसम में काढ़े का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखने के साथ ही फ्लू और वायरस से बचाने का काम भी करते हैं।

ठंड के दिनों में शरीर को अधिक गर्माहट की जरूरत होती है। स्वेटर, रजाई आपके शरीर को बाहर से गर्म रखने का काम करते हैं। लेकिन निरोग रहने के लिए आंतरिक तापमान का नॉर्मल रहना जरूरी है। यह तब ही मुमकिन हो पाता है जब आप गर्म प्रकृति वाले खान-पान का सेवन करते हैं। यही वजह है कि एक्सपर्ट सर्दियों के दिनों में नॉर्मल चाय की जगह पर काढ़ा पीने की सलाह देते हैं।

विंटर सुपर ड्रिंक से ये बीमारियां रहती हैं दूर

सर्दी-खांसी, कैंसर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सूजन, लीवर डिजीज, ब्रेन डिजीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, मोटापा, फ्लू, डाइजेशन प्रॉब्लम।

अदरक

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, अदरक सर्दी, गले में खराश, बलगम और बॉडी में सूजन से बचाव करने का काम करता है। अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल जैसे औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जो इसे ठंड के मौसम के लिए बेहतर औषधी बनाते हैं।

दालचीनी

दालचीनी एक गर्म मसाला होता है, इसलिए एक्सपर्ट ठंड में इसके सेवन की सलाह देती हैं। दालचीनी में एंटी-डायबिटीक गुण मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नॉर्मल रखने का काम करता है। इसके अलावा दालचीनी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इफ्लेमेंटरी वाले औषधीय गुण भी होते हैं, जो कैंसर,पाचन संबंधी बीमारी, सूजन आदि से बॉडी की रक्षा करते हैं।

मुलेठी

मुलेठी प्राचीन समय से आयुर्वेद में इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटी है। मुलेठी में एंटीसेप्टिक, एंटी-डायबिटीक से लेकर एंटीऑक्सीडेंट गुण और श्वसन और लीवर संबंधित बीमारियों से लड़ने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा एक्सपर्ट बताती हैं कि मुलेठी अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने, वेट लॉस करने और गले की खराश-खांसी के उपचार में भी मदद करता है।

ऐसे बनाएं काढ़ा

सामाग्री–मुलेठी, अदरक, दालचीनी।

विधि: विंटर के इस सुपर ड्रिंक को बनाने के लिए 3-4 घंटे पहले मुलेठी, अदरक और दालचीनी का एक-एक टुकड़ा पानी में भिगोया छोड़ दें। अब इसे एक बर्तन में 5-10 मिनट के लिए उबाल लिजिए। फिर छानकर इसका सेवन करें।

कैसे करें सेवन: इसे आप शाम की चाय के स्थान पर पी सकते हैं। बस ध्यान रहें कि इसमें चायपत्ती न डालें। इस ड्रिंक का सेवन दिन में दो बार सुबह-शाम कर सकते हैं।

डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

खाने के पैसे मांगने पर नशे में धुत पुलिसकर्मियों ने की मारपीट, स्टाफ के कपड़े भी फाड़े; वीडियो वायरल

नोएडा, संवाददाता। खाने के पैसे मांगने पर दो पुलिसकर्मियों ने रेस्टोरेंट के स्टाफ के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर मंगलवार शाम को प्रसारित हुआ।

नोएडा पुलिस को टैग कर यूजर ने दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग संबंधित अधिकारियों से की है। पुलिस को दी शिकायत में भगत सिंह ने बताया कि सेक्टर-41 में नागर वाली गली में उनकी मैसर्स धन्नू राम स्वीट्स की दुकान है। यहां लोगों के खाने पीने के उत्पाद के साथ ही बैठकर खाने की भी सुविधा है।

आरोप है कि सोमवार रात को नौ बजे के करीब दो पुलिसकर्मी प्रतिष्ठान पर आए और छोला और भटूरे का आर्डर किया। भटूरा बन

रहा था,इस दौरान दोनों पुलिसकर्मियों ने मिठाई मंगाई। आरोप है कि छेना खाने के बाद जब स्टाफ ने पुलिसकर्मियों से पैसे मांगे तो शराब के नशे में धुत दोनों पुलिसकर्मियों ने स्टाफ के साथ मारपीट की और कपड़े भी फाड़ दिए।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने मिठाई खट्टी होने की बात कही। खाने का बिल दिए बिना ही दोनों पुलिसकर्मी चले गए। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने प्रतिष्ठान बंद कराने और हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी।

एडिशनल डीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी सेक्टर-49 कोतवाली में तैनात है। मामला संज्ञान में है। जल्द ही दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पैमाइश करने गई राजस्व टीम पर हमला

फेज दो कोतवाली क्षेत्र स्थित जलालपुर गांव में पैमाइश करने गई राजस्व टीम पर हमला करने वाले दो आरोपितों के खिलाफ संबंधित कोतवाली में केस दर्ज किया गया है। राजस्व निरीक्षण विनोद कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट करने, धमकी देने और सरकारी काम में बाधा डालने जैसी धाराओं में आरोपितों के खिलाफ केस दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत, आरोपित मौके से फरार

नोएडा, संवाददाता। नोएडा के सेक्टर-113 कोतवाली क्षेत्र स्थित एक सोसायटी के बाहर सोमवार सुबह 11 बजे के करीब तेज रफ्तार कार चालक ने ई-रिक्शा में टक्कर मारकर चालक सहित दो लोगों को घायल कर दिया।

उपचार के दौरान ई-रिक्शा चालक बंगाल के दिलावर खां की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। स्वजन को घटना की जानकारी देने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के स्वजन की ओर से अभी तक मामले की शिकायत नहीं की गई है।

कोतवाली प्रभारी शरदकांत शर्मा ने बताया कि सेक्टर-77 स्थित गृह प्रवेश सोसायटी के बाहर ई-रिक्शा चालक एक सवारी को लेकर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को लेकर कार चालक अस्पताल पहुंचा, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत होने के बाद कार चालक भी कार सहित अस्पताल से फरार हो गया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कोतवाली पुलिस की टीमें खंगाल रही हैं ताकि आरोपित चालक और कार की पहचान की जा सके। दिलावर वर्तमान में सर्फाबाद गांव में परिवार संग रह रहा था।

टब में डूबकर एक साल की बच्ची की मौत

नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट गौर सिटी सोसायटी के 11 एवेन्यू में एक वर्ष की बच्ची की टब के पानी में डूबकर मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद परिवार के लोग सदमें में है। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार बेहोश हो जा रही है। घटना रविवार देर शाम की है। जानकारी के अनुसार, सोसायटी के एम टावर फ्लैट संख्या-179 में विशाल सक्सेना अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार के सदस्य घर के कामों में व्यस्त थे।

डेंगू को लेकर मलेरिया विभाग सख्त

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या को लेकर मलेरिया विभाग सख्त रुख अपनाने की योजना बना रहा है। मच्छर का लार्वा पालने वाली कंपनी, फैक्ट्री और घरों के मालिकों की अब खैर नहीं है। नोटिस जारी किए जाने के बाद भी मच्छर का लार्वा पनपता मिलता है तो विभाग सीधे एफआइआर दर्ज कराएगा। मरीजों का रिकार्ड छुपाना डाक्टर्स व अस्पतालों के लिए महंगा होगा। रिकार्ड नहीं भेजने वालों के निजी अस्पतालों के संचालकों और डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई होगी। जिला मलेरिया अधिकारी का कहना है कि डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य बीमारियों की रोकथाम के लिए विभाग की ओर से हर संभव कदम उठाए जाते हैं।

जैतपुर गोल चक्कर के पास एक कान्वेंट स्कूल की वैन पलटने से 7 बच्चे घायल

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित भट्टा गोल चक्कर के समीप स्कूल वैन में पीछे से तेज रफ्तार हैरियर कार ने टक्कर मार दी। वैन पलट गई और तीन पलटी लेते हुए घटनास्थल से करीब पचास मीटर तक घिसटते हुए डिवाइडर से जा टकराई। मंगलवार दोपहर ढाई बजे के करीब हुए हादसे में स्कूल वैन में सवार सात बच्चे घायल हो गए।

मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों की मदद से वैन में सवार बच्चों को बाहर निकाला गया। हादसे में एक बच्चे को गंभीर चोट लगी है जबकि अन्य छह मामूली रूप से घायल है।

तेज रफ्तार हैरियर कार ने वैन में टक्कर मारी

शहर के सेक्टर डेल्टा स्थित जीसस मैरी कांवेंट पब्लिक स्कूल की निजी वैन सात बच्चों को लेकर दादरी के लडपुरा गांव जा रही थी। वैन जब 130 मीटर पार कर भट्टा गोलचक्कर से थोड़ा आगे पहुंची तो पीछे से तेज रफ्तार हैरियर कार ने वैन में टक्कर मार दी। तेज टक्कर लगने से वैन चालक का संतुलन बिगड़ गया और वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। वैन पलटते ही तेज आवाज हुई और बच्चों के चिल्लाने की आवाज आने लगी। बच्चों की आवाज सुनकर वहां से गुजर रहे लोग रूक गए। लोगों ने वैन पर चढ़कर बच्चों को बाहर निकाला। खाली होने के बाद वैन को धक्का मारकर सीधा किया गया। हादसे में आठ वर्षीय छात्रा काव्य भाटी गंभीर रूप से घायल हुई है। वह दादरी के लडपुरा गांव की रहने वाली है। उपचार के लिए छात्रा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल हुए अन्य बच्चे सिरसा गांव के रहने वाले है।

माता-पिता को मौके पर आना पड़ा

घटना के बाद राहगीरों ने बच्चों को जब वैन से बाहर निकाला तो वह बुरी तरह से रो रहे थे। बच्चे मम्मी-पापा कहकर तेज तेज रोने लगे।

अव्यवस्था | विरोध करने पर डाक्टर बोले तीन करेंगे संख्या

अस्पताल में एक बेड पर दो मरीज लिटाकर हो रहा इलाज

नोएडा,संवाददाता।

सेक्टर-24 स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) अस्पताल की इमरजेंसी से लेकर वार्ड तक मरीजों से भरे पड़े हैं। आलम यह है कि अस्पताल की क्षमता से अधिक मरीज पहुंचने पर भर्ती रोग विभाग (आइपीडी) में कहीं एक बेड पर दो-दो मरीज तो कहीं फर्श पर ही लिटाकर मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है।

वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सीमित संसाधन, स्टाफ और निर्धारित बेड की संख्या के आधार पर मरीजों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। ईएसआइसी अस्पताल में इन दिनों वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया के संदिग्धों मरीजों के साथ ही प्लेटलेट्स कम होने की शिकायत पर मरीजों अस्पताल पहुंच रहे हैं।

48 स्वीकृत क्षमता वाले वार्ड में मरीजों की संख्या 70

हालत गंभीर होने पर कई मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। अस्पताल के पांचवें तल पर मेडिसिन के भर्ती वार्ड में बेड की स्वीकृत क्षमता 48 है, लेकिन मंगलवार को यहां भर्ती मरीजों की संख्या 70 रही।

नोएडा निवासी विमल दास (35) ने बताया कि बुखार की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती हुए हैं। उनके साथ एक बेड पर दूसरा मरीज भर्ती है।

इस कारण सोने और पैर फैलाने में परेशानी होती है। सेक्टर-53 के राजवीर सिंह ने बताया पहले से एक बेड पर दो मरीज हैं। विरोध करने पर डाक्टर ने कहा कि जरूरत पड़ने पर तीन मरीज को भर्ती करेंगे।

पांचवें तल पेयजल की व्यवस्था नहीं

वहीं बबली ने बताया कि पसली में दर्द होने के कारण इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हुए हैं, लेकिन रात में अस्पताल प्रशासन की ओर से कंबल नहीं दिया गया। फिरे राम का कहना है कि स्टाफ द्वारा ग्लूकोज की बोतल लाकर रख दी गई है, लेकिन चढ़ाने की जहमत नहीं उठाई गई। इससे परेशानी बढ़ती जा रही है। अस्पताल के शौचालय में गंदगी फैली है। तीमारदार ने बताया कि पेयजल की व्यवस्था नहीं है। इस कारण पानी लेने के लिए नीचे आना पड़ता है। प्रशासनिक निदेशक का कहना है कि डेंगू सीजन होने के कारण अधिक मरीज भर्ती है। मामले में कार्यवाहक डीएमएस डा. एके गौतम को फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर ईको कार का टायर फटा, एक की मौत, 5 घायल

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता।

यमुना एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को जेवर टोल प्लाजा के समीप टायर फटने से ईको कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत व दो महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। कार नोएडा से आगरा की ओर जा रही थी।

नोएडा से मथुरा जा रहा था परिवार

घायलों को निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने बताया कि टप्पल थाना क्षेत्र के गांव सालपुर के रहने वाले राजेश नोएडा में रहते हैं।

मंगलवार को वह अपने पुत्र राजकुमार व पुत्र वधु पुष्पा, ममता व गोविंद सिंह के साथ ईको कार से नोएडा से मथुरा जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार जेवर टोल प्लाजा के समीप 36 किमी माइल स्टोन के नजदीक पहुंची तो अचानक ही टायर फट गया।

कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार सभी पांच लोग गंभीर घायल हो गए, जबकि कार चालक रामनिवास को मामूली चोट आई।

सूचना पर पहुंचे यमुना एक्सप्रेस वे के राहत एवं बचाव दल ने घायलों को एंबुलेंस की सहायता से जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां चिकित्सकों ने नोएडा के छिजारसी के रहने वाले गोविंद को मृत घोषित कर दिया। राजेश, राजकुमार, पुष्पा व ममता का उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।